

# कोरोना वायरस (COVID 19) के समय में बच्चों का संरक्षण करना

कोरोना वायरस लॉकडाउन के परिणामस्वरूप परिवार के सभी सदस्य पूरा समय घर पर ही हैं। यह एक मौका है आपस में समय बिताने का, साथ में सीखने, विचारों को साझा करने, चुनौतियों को सुनने और एक दूसरे की मदद करने का। परन्तु सभी इस स्थिति से जुड़े सवाल एवं चिंताओं से भी ग्रसित हैं। घर के अंदर बंद रहना, दोस्तों से न मिल पाना, बाहर न जा पाने के कारण बच्चे और बड़े ऊब सकते हैं। इससे घर में तनाव पैदा होगा। इसलिए बेहद जरूरी है की बच्चों के साथ संवेदनशील और सावधानीपूर्वक व्यवहार करें ताकि वे खुद को सुरक्षित और संरक्षित महसूस कर सकें।



1

बच्चों के साथ प्यार और सम्मानपूर्वक व्यवहार करें - बच्चों के साथ समय बिताने, उनकी दिक्कतों और चिंताओं को सुनें, उनसे बात करें। उनके साथ गतिविधियां करें जैसे पढ़ना, फिल्में देखना, चित्र बनाना, पेंटिंग करना आदि। बच्चों के साथ किसी भी तरह का हिंसक व्यवहार जैसे - चीखना, अपमानजनक शब्दों का उपयोग, थप्पड़ मारना या पिटाई करना आदि से बचें।

2

लॉकडाउन की स्थिति में बच्चे-बच्चियां घर के आस-पास, सड़कों और सुनसान गलियों में टहलने के लिए निकल सकते हैं। ऐसे में बच्चों का शोषण करने वाले लोग अपहरण या लैंगिक शोषण का प्रयास कर सकते हैं। ऐसे व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखें, आवश्यकता पड़ने पर पुलिस को सूचित करें।



3

संक्रमित और क्वारेंटाइन में रखे गए परिवारों और बच्चों के साथ भेदभाव और उनका बहिष्कार न करें - हमें इस वक्त उनसे मिलने से बचना चाहिए, लेकिन उनकी सलामती के बारे में हमें जानकारी लेते रहनी चाहिए। आप उनसे फोन पर बात कर सकते हैं।

4

माता-पिता और समुदाय के अन्य लोगों को घर के अन्दर या सार्वजनिक जगहों में बच्चों के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के शोषण, विशेषकर लैंगिक शोषण, के प्रति सतर्क रहना चाहिए और उसे रोकना चाहिए। ऐसा हो सकता है कि मुश्किल समय के दौरान किसी सहायता या सेवा के बदले लैंगिक शोषण करने की कोशिश कर सकते हैं; बड़े बच्चों, खासकर लड़कियों को काम करने के लिए या परिवार की सहायता करने के लिए भीख मांगने हेतु मजबूर किया जा सकता है। ऐसे किसी भी मामले की सूचना पुलिस या संबंधित अधिकारियों को तुरंत दें।

5

बच्चे इंटरनेट, मोबाइल फोन या कंप्यूटर पर ज्यादा समय बिता सकते हैं। उन पर नजर रखें, ताकि वे इंटरनेट पर बच्चों को बहकाने और शोषण करने वाले लोगों के चंगुल में न फंसे। साथ ही, यह कोशिश करें की वे इंटरनेट पर सीमित समय बिताने।

6

यह हम सभी के लिए एक कठिन समय है, अतः आवश्यक है कि सभी के साथ सकारात्मकता और विनम्रता से जुड़े रहें, चाहे वो पति-पत्नी के बीच हो, भाई-बहन के बीच हो या दोस्तों के बीच हो; परिवार में, घर में; हिंसा के किसी भी रूप से बचें।

बच्चों से सम्बंधित किसी भी प्रकार की सहायता और परामर्श हेतु फोन नंबर 88899 83062 / 62053 97158 या चाइल्ड लाइन 1098 पर कॉल करें।

